नाम – प्रशान्त दूबे

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका

युवा ही समाज को एक प्रेरणादायक मार्ग प्रदान करते हैं युवा ही शिक्षक प्रशिक्षक बनकर समाज में प्रेरणादायक माल प्रदान करता है आज युवा के के कारण आज हमारा देश अंग्रेजों का गुलाम नहीं है पहले हमारा देश अंग्रेजों का गुलाम था तब युवाओं ने ही जैसे भगत सिंह चंद्रशेखर आजाद सुखदेव राजगुरु लाला लाजपत राय के साथ मिलकर अंग्रेजो के खिलाफ स्वतंत्रता आंदोलन दिया था धीरे–धीरे के आंदोलन समाज में पूरी तरह से फैल गया और अनेक युवाओं ने हिस्सा लिया आज हमारा देश उन युवाओं को नेताओं को बड़ी आस्था व विश्वास के साथ उनका नाम आदर के साथ लेते हैं स्वतंत्रता आंदोलन लड़ने के बाद अंग्रेजों द्वारा 23 मार्च 1931 को भगत सिंह सुखदेव राजगुरु आज लोगों को फांसी दे दिया गया था।

शिक्षा का मार्ग–

आज समाज में काफी लोग अनपढ़ हैं जिसके कारण वह समाज में कई कठिनाइयों का सामना करते हैं शिक्षा के द्वारा ही इन अनपढ़ लोगों पर हुए अत्याचार को दूर किया जा सकता है यह कार्य केवल हम जैसे युवा ही कर सकते हैं शिक्षा का मतलब केवल नौकरी पाना ही नहीं अपितु पूरे संसार में जाती पाती भेदभाव मनमुटाव छुआछूत को दूर किया जा सकता है।

शिक्षक व शिक्षण युवाओं के लिए अति आवश्यक है क्योंकि कि वह प्रत्येक समाज में जाता है लोगों से मिलता है यदि वह शिक्षित नहीं रहेगा तो शिक्षा का महत्व पैसे बता पाएगा और समझा पाएगा भारत में ज्यादातर लोग अशिक्षित होने के कारण बेरोजगार भी हैं तो यदि वह शिक्षित रहती तो शायद कम बेरोजगारी रहती अशिक्षित होने के कारण ही वह लोग हर जगह कई कठिनाइयों का सामना करते हैं हर जगह चले जाते हैं और कभी–कभी गलत काम कर बैठते हैं तो युवा को यह कार्य अवश्य करना चाहिए कि वह समाज में जाएं और शिक्षा का प्रचार प्रसार करें।

बाल विवाह–

पहले के लोग अशिक्षित होने के कारण अपने बच्चों बेटी बेटा का विवाह जन्म के उपरांत ही कर देते थे जब बच्चों की शिक्षा देने के लिए स्कूल भेजना चाहिए तो उनसे परिश्रम करवाते थे जिससे समाज में अशिक्षा का पूरा भरमार हो गया था लोग शिक्षा का महत्व कम समझते थे धीरे–धीरे कुछ महान नेताओं का जन्म हुआ जिससे शिक्षा का प्रसार धीरे–धीरे होने लगा और आज हमारा समाज लगभग शिक्षित हो गया जो युवाओं के कारण ही आज संभव हुआ है उन युवाओं में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्वामी विवेकानंद महात्मा बुद्ध दयानंद सरस्वती और अन्य युवाओं ने ही समाज में शिक्षा का प्रसार किया और अशिक्षा को जड़ से मिटाया।

सती प्रथा–

पहले के लोग बच्चों का विवाह बचपन में कर देते थे और यदि किसी का पति की किसी भी दुर्घटना से मर जाता था तो उनकी स्त्रियों को जला देते थे वह स्त्रियां आत्म दाह संस्कार कर लेती थी जिससे हमारा समाज बहुत ही ज्यादा गंदा व सांस्कृतिक को हानि पहुंचाता था धीरे–धीरे कई राजाओं ने अंग्रेजी व हिंदी इन प्रथाओं का विरोध किया 1857 की क्रांति के समय मंगल पांडे और कई अंग्रेजों ने मिलकर सती प्रथा का विरोध किया था धीरे–धीरे कुछ महान विभूतियां राजा राममोहन राय स्वामी दयानंद सरस्वती स्वामी विवेकानंद और अन्य युवाओं ने इसका विरोध किया और समाज को सुधारने का काम किया।

स्वामी विवेकानंद–

स्वामी विवेकानंद एक ऐसे युवा थे जो समाज में पुरुष जाति को बड़ा ही मान सम्मान दिलाया एक बार स्वामी जी कांगो में जाकर भाषण दिया जिससे युवाओं के मन में उनके प्रति और भी प्रेरणा तथा सम्मान का जगह मिल गया।

समाज को सुधारने का प्रयास–

युवाओं को समाज सुधारने का प्रयास करना चाहिए समाज में दो प्रकार के व्यक्ति होते हैं नकारात्मक और सकारात्मक

युवाओं को यह चाहिए कि नकारात्मक को मिटाकर समाज में सकारात्मक लाने का प्रयास करना चाहिए।

स्त्रियों के प्रति प्रेम–

समाज में कुछ विवाह हमने स्त्रियों(माँ , बहन , पत्नी) पर बहुत सारा अत्याचार करते हैं जिससे हमारे समाज और ज्यादा गंदा होते जा रहे हैं आज भी कुछ लोग शराब पीकर नशे में धुत होकर स्त्रियों और बच्चों पर अत्याचार करते हैं हम युवाओं को इन सभी अत्याचारों को दूर करने के लिए एक ठोस कदम उठाना चाहिए उसके लिए चाहे साम दाम दंड भेद का तरीका ही क्यों ना अपना ना पड़े लाला लाजपत राय का यह नारा युवाओं के प्रति बड़ा ही प्रेरित कर देता है कि